3

जोड़–जोड़ कर खेलो खेल

आओ जोड़ने का खेल खेलें

- चार–चार की टोलियाँ बनाओ।
- अपनी कॉपी में 15 से 20 तक की कोई एक संख्या लिखो।
- बारी–बारी से पासा फेंको। जितनी संख्या आए उतने कंकड़ उठाओ।
- जो सबसे पहले लिखी संख्या के बराबर या अधिक कंकड़ एकत्र करेगा, वही जीतेगा।

टीना ने अपनी कॉपी पर 18 लिखा। उसने पहली बार पासा फेंका तो 4 आया। टीना ने कंकड़ों के ढेर में से 4 कंकड़ निकाल कर अलग रख लिए। फिर से पासा फेंका। अबकी बार 3 आया। उसने 3 कंकड़ निकाल लिए। इसी प्रकार तीसरी बार में पासा फेंकने पर 5 तथा चौथी बार में 6 आया। इन कंकड़ों को भी उसने अलग रखा। अब उसने अलग निकाले कंकड़ों को मिलाया। मिलाने पर कुल कंकड़ हुए–

4 + 3 + 5 + 6 = 18

गोपी ने भी किया– 2 + 1 + 5 + 6 + 4 = 18

- ऐसे ही तुम भी खेलो। जोड़ कर देखो, कौन लिखी संख्या तक पहले पहुँचा ?

> इस खेल को अन्य तरीकों से भी खेलें। जैसे – दो पासे फेंकवाकर दोनों पर आई संख्याओं के जोड़ के बराबर कंकड़ निकलवाएँ।

जोड़ो और लिखो–

= ....

= ....

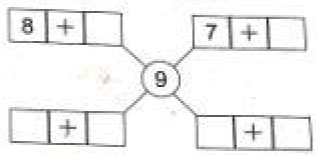

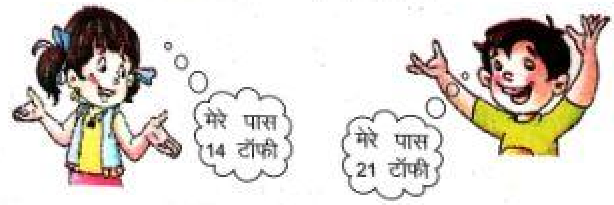

शमा और रौनक के पास कुल कितनी टॉफी?

आओ करके देखें–

पहला तरीका– सभी टॉफी मिलाकर 10–10 की ढेरियाँ बनाएँ।

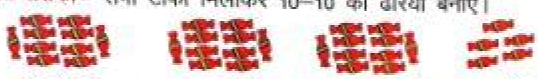

10 टॉफी   10 टॉफी   10 टॉफी   5 टॉफी

कुल 35 टॉफी हुईं।

दूसरा तरीका– शमा और रौनक की टॉफी के अलग–अलग 10–10 की ढेरियाँ बनवाएँ।

शमा की टॉफी की संख्या
14

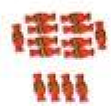

10 टॉफी की एक ढेरी तथा 4 अलग टॉफियाँ

रौनक की टॉफी की संख्या
21

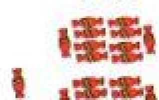

10 टॉफी की दो ढेरी तथा 1 अलग टॉफी

10 टॉफी की 3 ढेरी तथा 5 अलग टॉफी = कुल 35 टॉफी

शमा और रौनक के पास कुल 35 टॉफी हैं।

ढेरी   टॉफी

दहाई	इकाई
1	4
+ 2	1
3	5

देखो और करो –

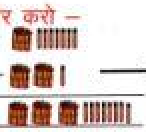

17		1 दहाई	7 इकाइयाँ
+ 21	→	2 दहाइयाँ	1 इकाई
38		3 दहाइयाँ	8 इकाइयाँ

41		☐	दहाई	☐	इकाई
+ 36		☐	दहाई	☐	इकाई
☐		☐	दहाई	☐	इकाई

➢ बच्चों को अपने तरीकों से भी जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

	द०	इ०
	8	2
+	1	5

	द०	इ०
	3	4
+	5	2

	द०	इ०
	5	3
+	3	5

जोड़ो इकाई में इकाई, फिर दहाई में दहाई। ऐसे ही आगे बढ़ता सैकड़े में सैकड़ा।

तुम भी करो–

	सै०	द०	इ०
	1	4	2
+	3	1	5
	4	5	7

	सै०	द०	इ०
	2	3	7
+	6	5	2

	सै०	द०	इ०
	6	0	0
+	2	0	1

गोपी ने किया जोड़ हासिल का

	2	7
+	1	5
	4	2

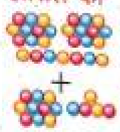

गोपी ने पहले निकालीं 27 गोलियाँ।

फिर निकालीं 15 गोलियाँ।

इन्हें मिलाकर दस–दस के समूह बनाए। ऐसे –

कुल 10 के चार समूह बने और दो गोली बची।

तब गोपी ने पाए–

4 दहाइयाँ तथा 2 इकाइयाँ = 40 + 2 = 42

गोपी ने ऐसे भी जोड़ कर देखा–

दस गोली की थैली

पहले जोड़ा उसने इकाई में इकाई को। फिर जोड़ा दहाई में दहाई को। देखो –

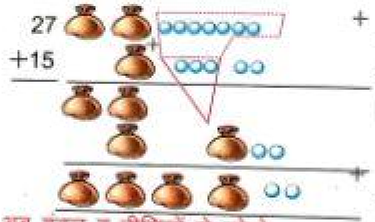


```
  7  इकाइयाँ
+ 5  इकाइयाँ
 12
 12 = 1 द० + 2 इ०
```

```
①←हासिल          ①←हासिल
 2 7               2 7
 1 5      →       +1 5
   2               4 2
```

अब बंडल व तीलियों से जोड़ो–

```
 द०  इ०
 ①
 2   6
+3   9
 6   5
```

अब 478 तथा 359 को जोड़ें–

```
  सै०  द०  इ०
   4   7   8
+  3   5   9
```

पहले इकाइयों को जोड़ें और समूह बनाएँ।
8+9 = 17 इकाइयाँ = 1 द० + 7 इ०
1 दहाई को हासिल के रूप में दहाई के साथ रखें।

```
  सै०  द०  इ०
       ①
   4   7   8
+  3   5   9
           7
```

दहाइयों को जोडें और समूह बनाएँ।
1+7+5 = 13 दहाइयाँ = 1 सै० + 3 द०
1 सैकड़े को हासिल के रूप में सैकड़े के साथ रखें।

सै०	द०	इ०
①	①	
4	7	8
+ 3	5	9
	3	7

सैकड़े को जोड़ें

1+4+3 = 8

सै०	द०	इ०
①	①	
4	7	8
+ 3	5	9
8	3	7

478 + 359 = 837

सै०	द०	इ०
①	①	
4	7	8
+ 3	5	9
8	①3	①7

हमने सीखा

- इकाई को इकाई में, दहाई को दहाई में तथा सैकड़े को सैकड़े में जोड़ा जाता है।
- जब इकाई के अंकों का जोड़ 10 या इससे अधिक हो, तो उसमें जितनी दहाई बनती है उनको दहाई में हासिल के रूप में ऊपर लिखकर दहाई के अंकों में जोड़ते हैं। इकाइयों को इकाई के नीचे लिखते हैं। इसी प्रकार दहाई के जोड़ से प्राप्त हासिल को सैकड़े के ऊपर लिखकर जोड़ते हैं।

  10 इकाइयाँ = 1 दहाई • 10 दहाइयाँ = 1 सैकड़ा
- जब कितने हुए, कुल कितना हुआ, आदि पूछा जाता है तो संख्याओं को जोड़ते हैं।

अभ्यास

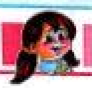

1.

26	76	248	516
+ 42	+ 87	+ 531	+ 376

2 1 5	2 4	1 5 2	4 1 7
2 2	6 6	2 2 3	1 2 4
+ 5 2	+ 4 8	+ 4 1 3	+ 2 4
____	____	____	____

3. खाली स्थान भरो –

4 6 9	2 1 7	3 7 ...
+ ... 2 3	+ 5 ... 2	+ 5 ... 8
7 ... 2	... 0 9	... 3 4
____	____	____

4. सही जोड़े मिलाओ –

1 3 4 + 2 6 5 + 7 2	=	5 2 5
5 0 0 + 2 5	=	4 7 1
6 0 0 + 9 0 + 2	=	4 7 3
4 सै0 + 7 द0 + 3 इ0	=	6 9 2

5. अमित के पास 15 पेंसिल, गरिमा के पास 20 पेंसिल और रहमान के पास 11 पेंसिल हैं। कुल कितनी पेंसिल हैं ?

6. एक पेटी में 567 अमरूद हैं। दूसरी पेटी में 296 अमरूद हैं। दोनों पेटियों में कुल कितने अमरूद हैं ?

7. विद्यालय में 348 लड़के और 284 लड़कियाँ हैं। विद्यालय में कुल कितने बच्चे हैं ?

> बच्चों में समझ बनाएँ कि इकाई के जोड़ से प्राप्त दहाई को दहाई के ऊपर रखकर तथा दहाई के जोड़ से प्राप्त सैकड़े को सैकड़े के ऊपर रखकर जोड़ते हैं।